भक्तों के मोहन | By Vijay Soni |

भक्तों के मोहन मेरे भगवान,
तुम प्रेम रंग के अवतारी,
तुम जग ये नचाओ राधा संग,
ओ सांवरिया तुम गिरधारी।
भक्तों के मोहन मेरे भगवान।।

माथे पे तुम्हारे मोर मुकुट,
हाथों में बंसी जादूभरी,
तन पे सजे है पट पीला,
और नैन बसेरा झांकी छवि।
तेरे देख के सुंदर चरण कमल,
मैं ऐसे रूप पे बलिहारी।
भक्तों के मोहन मेरे भगवान।।

सारी सृष्टि मुखमंडल में,
गोवर्धन को ऊँगली पे धरा,
तूने प्रेम का नभ में रास किया,
संग महाभारत का युद्ध रचा।
तीनों लोकों तीनों युग में,
है पूजे तुम्हे सब त्रिपुरारी।
भक्तों के मोहन मेरे भगवान।।

भोली मैया के भोले लला,
हो दीन अनाथ के तुम ही पिता,
चंचल गोरी के हो प्रीतम,
हर दुखियारे के तुम ही सखा।
दृष्टि दया की रखना तुम,
'प्रवीण' के तुम हितकारी।
भक्तों के मोहन मेरे भगवान।।

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ad%e0%a4%95%e0%a5%8d%e0%a4%a4%e0%a5%8b%e0%a4%82-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%ae%e0%a5%8b%e0%a4%b9%e0%a4%a8-by-vijay-soni/